एक नजर में

जन जन का सहयोग अपराधों में कमी व यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु सहायक सिद्ध होगा : पुलिस अधीक्षक

बुरहानपुर। समाज सेवा के क्षेत्र में जिले की अग्रणी संस्था जनजाग्रति संस्था बुरहानपुर द्वारा एतिहासिक जिला पर्यटन नगरी बुरहानपुर में नवागत पदस्थ जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी से की सौजन्य भेंट व किया भावभीना स्वागत। इस अवसर पर जनजाग्रति संस्था बुरहानपुर के संरक्षक व् संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र जैन,अध्यक्ष डॉ किरण सिंह , कोषाध्यक्ष मेहुल जैन ,संस्था के कार्यकारिणी व सदस्य सर्व श्री रजनी गट्टानी , अरुण जोशी ,रविन्द्र महाजन ,आर एस ठाकुर ,देवचंद शर्मा,उपस्थित थे। नवागत जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने सौजन्य भेंट दौरान कहा की इस जिले में अपराधो में कमी और यातायात व्यवस्था में जन जन का सहयोग ही इस कार्य को सफलता दिलाएगा स मुझे ज्ञात है की इस शहर का जनमानस मिलनसार ए भाईचारा एएवं एकता की मिसाल कायम करता है और मुझे पूरी उम्मीद है की जहा भी मुझे जन जन के सहयोग की आवश्यकता होगी आप सभी लोग सहभागी बनकर इस जिले में शांति व्यवस्था कायम करने में सहयोग प्रदान करेगे।

शनि मंदिर स्थित सुपर क्लिनिक में एक दिवसीय नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर

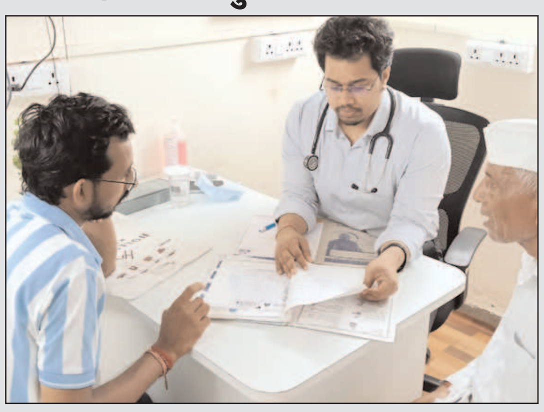

बुरहानपुर। मध्य भारत के सबसे बड़े मल्टीस्पेशलिटी ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल बुरहानपुर द्वारा रविवार 17 मई को शनि मंदिर स्थित सुपर क्लिनिक में एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के 35 से अधिक मरीजों ने पहुँचकर अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का नि:शुल्क परामर्श और जाँच का लाभ उठाया। शिविर में ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सकए फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉण् शुभम वर्मा एवं ईएनटी ;नाकए कानए गलाद्ध सर्जन डॉण् विकुल देशवाल ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की गहन जाँच की और उन्हें उचित चिकित्सकीय परामर्श दिया। इस दौरान चिकित्सकों ने उपस्थित सभी मरीजों को बदलते मौसम में होने वाले विकारों से बचने और खुद को सुरक्षित रखने के महत्वपूर्ण उपाय भी बताए। शिविर के दौरान अस्पताल प्रबंधन की ओर से सभी मरीजों की ब्लड प्रेशर ;बीपीद्ध और शुगर की जाँच पूरी तरह नि:शुल्क की गई। इस पूरे स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन ऑल इज़ वेल हॉस्पिटल के संचालक श्री कबीर चौकसे के कुशल दिशा.निर्देशन में संपन्न हुआ। शिविर का लाभ उठाने वाले स्थानीय नागरिकों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों के इस जनहितैषी प्रयास की सराहना की।

बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर नि :शुल्क शीतल जल वितरण सेवा , यात्रियों ने की प्रशंसा

बुरहानपुर। ग्रीष्म ऋतु की तपती धूप और भीषण गर्मी के बीच श्री बहुचरा माता सेवा समिति, राजपुरा, बुरहानपुर द्वारा एक अत्यंत सराहनीय एवं पुण्यकारी सेवा कार्य का संचालन किया जा रहा है। समिति द्वारा प्रत्येक रविवार को बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर गुजरने वाली रेलगाड़ियों के यात्रियों को नि:शुल्क शीतल जल वितरण की सेवा प्रदान की जा रही है।

सेवा की विशेषताएँ:– इस पुनीत सेवा कार्य के अंतर्गत रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली अप एवं डाउन दोनों दिशाओं की रेलगाड़ियों के यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराया जाता है। प्रति सप्ताह लगभग 100 केन शीतल जल का वितरण किया जा रहा है, जिससे सैकड़ों यात्री लाभान्वित हो रहे हैं।

यात्रियों की प्रतिक्रिया:–ट्रेन में सफर कर रहे मुसाफिरों ने इस सेवा की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि अधिक मास जैसे पवित्र समय में यह कार्य अत्यंत पुण्यदायी है। यात्रियों ने समिति के सभी सदस्यों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

समिति का संकल्प:–समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा और आगे भी इसी प्रकार समाज के लिए निरूस्वार्थ सेवा का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा मानव सेवा ही माधव सेवा है कृ इसी भावना से हम यह कार्य कर रहे हैं। समिति के इस सेवाभाव की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है तथा स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने भी इस पहल की प्रशंसा की है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

नेपानगर। शनिवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन व व्यापक प्रचारए प्रसार के लिए जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में बुरहानपुर जिले के सभी शासकीयए अशासकीय महाविद्यालयों के प्लेसमेंट अधिकारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने तथा योजना की पात्रताए शर्तोंए आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ मनीषा साकल्ले ने उपस्थित सभी प्लेसमेंट अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना युवाओं के कौशल विकासए व्यावहारिक अनुभव एवं रोजगार संभावनाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में केंद्र सरकार की एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने अपने महाविद्यालयों में इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों को आवेदन के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ , दो शातिर तस्कर गिरफ्तार

युवाओं को बरगलाकर सोशल मीडिया के माध्यम से अंतरराज्यीय स्तर पर संचालित हो रहे अवैध हथियारों के रैकेट पर पुलिस का कड़ा प्रहार

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन एवं कड़े रुख के परिणामस्वरूपए बुरहानपुर पुलिस को अवैध हथियारों के निर्माण,क्रय-विक्रय और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी नेपानगर निर्भय सिंह अलावा के सतत पर्यवेक्षण में, थाना खकनार पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक प्रभावी घेराबंदी कर दो अंतरराज्यीय तस्करों को रंगे हाथ दबोचने में कामयाबी हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से कुल 1,11,000/-रुपये मूल्य के 07 अवैध हस्तनिर्मित देशी पिस्टल तथा 03 खाली मैगजीन विधिवत जब्त किए गए हैं।

दिनांक 16 मई 2026 को खकनार थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक जाधव को मुखबिर के माध्यम से गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना में बताया गया कि दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियारों की बड़ी खेप के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने या तस्करी के उद्देश्य से ग्राम मोहनगढ़ के पास रेलवे पुलिया के नीचे खड़े हैं। सूचना की संवेदनशीलता को देखते हुए थाना प्रभारी ने बिना समय गंवाए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और तत्काल अपनी कुशल रणनीति के तहत एक विशेष हमराह बल का गठन किया। पुलिस टीम जब पूरी मुस्तैदी और गोपनीयता के साथ मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंची, तो वहां हुलिए से मेल खाते दो संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस बल ने रणनीतिक रूप से चारों तरफसे घेराबंदी की और स्वतंत्र गवाहों पंचानों की उपस्थिति में दोनों को सफलतापूर्वक दबोच लिया।

पकड़े गए आरोपियों से नाम व पता पूछने पर उन्होंने अपनी पहचान इस प्रकार बताई:- विकाससिंह उर्फ विक्की पिता सतपालसिंह पटवा,,उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम पाचौरी, जिला बुरहानपुर। अकलेश उर्फकान्हा पिता भूरा वसावे,उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम खकनार खुर्द, जिला बुरहानपुर।

जब पुलिस टीम द्वारा कानून सम्मत तरीके से दोनों की अमली जामा तलाशी ली गई,तो आरोपी विकाससिंह के कब्जे से 02 नग हस्तनिर्मित देशी पिस्टल व 01 खाली मैगजीन तथा आरोपी अकलेश के कब्जे से 05 नग हस्तनिर्मित देशी पिस्टल व 02 खाली मैगजीन बरामद हुई। दोनों के पास से कुल 07 देशी पिस्टल और 03 मैगजीन जब्त कर उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। थाना वापसी पर दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 197/2026, धारा 25;1. आयुध अधिनियम के तहत वैधानिक आपराधिक प्रकरण पंजीकृत किया गया।

पहलू सामने आया है। वर्तमान में अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी के अपराधों में अधिकांशत: 18 से 35 वर्ष के मध्य की युवा पीढ़ी संलिप्त हो रही है। शातिर सरगनाओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम का दुरुपयोग कर ग्रामीण इलाकों के सीधे.साधे और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को मात्र 5 से 10 हजार रुपये के मामूली लालच देकर इस दलदल में धकेला जा रहा है। ये युवा जाने.अनजाने में प्रदेश और अन्य राज्यों में चोरी,लूट और हिंसक वारदातों के लिए हथियारों की आपूर्ति करने लगते हैं। जिससे उनका पूरा भविष्य नष्ट हो जाता है। इस कार्रवाई को सफलता के मुकाम तक पहुंचाने में खकनार पुलिस टीम के अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

टीम के मुख्य सदस्य:-निरीक्षक अभिषेक जाधव,थाना प्रभारी उपनिरीक्षक, उनि रामेश्वर बकोरिया, सहायक उपनिरीक्षक, सउनि तारक अली, एवं जगदीश मंसरे, प्रधान आरक्षक सत्यभानसिंह, प्रआर सतीश सूर्यवंशी, आरक्षक आर गोविन्दा मुजाल्दे, आर.अनिल डावर,आर.विजेन्द्र देवल्ये, आर. मंगल पालव,आर. अजय अहिरवार, आर . सबल देवडाए आरण् कैलाश मोरे,आर.आयुष पटेल एवं आरण् सुनील धुर्वे।

बुरहानपुर जिला पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई ने न केवल भारी मात्रा में अवैध हथियारों को बाजार में खपने से पहले पकड़ाए बल्कि संभावित गंभीर वारदातों को भी टाल दिया है। पुलिस का यह कदम आम जनता के बीच सुरक्षा के भाव को सुदृढ़ करता है और यह विश्वास दिलाता है कि कानून.व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए पुलिस बल चौबीसों घंटे पूरी प्रतिबद्धता,आधुनिक रणनीति और सेवाभाव के साथ तत्पर है।

क्या कहते पुलिस कप्तान

बुरहानपुर पुलिस का यह स्पष्ट और दृढ़ संदेश है कि जो भी भटके हुए युवा अपराध का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में शामिल होना चाहते हैं, पुलिस प्रशासन उनकी हरसंभव मदद और पुनर्वास का प्रयास करेगा। परंतु जो लोग जानबूझकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहकर शांति व्यवस्था को भंग करेंगे,उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आशुतोष बागरी
पुलिस अधीक्षक,बुरहानपुर

संविदा वाहन चालक हेतु इच्छुक उम्मीदवार आवेदन दें

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर हेतु संविदा आधार पर एक वाहन चालक की नियुक्ति हेतु सुचना जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,जिला न्यायालय, कलेक्टर कार्यालय एवं जिला रोजगार कार्यालय के सूचना पटल चस्पा की गई है।

साथ ही म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर की वेबसाईट से भी डाउनलोड की जा सकती है। साथ ही उक्त सुचना जिला न्यायालय की अधिकृत वेबसाईट पर भी अपलोड की गई है।

संविदा वाहन चालक के 1 पद हेतु इच्छूक आवेदक निर्धारित मापदंड अनुसार निर्धारित प्रारूप में आवेदन श्रीमान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुरहानपुर को संबोधित करते हुए पता.एडीआर भवन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, ग्राम मोहम्मदपुरा, बुरहानपुर पिन 450331 के पते पर अंतिम तिथि 15 जून 2026 तक सायं 5 बजे के पूर्व आवश्यक रूप से केवल स्वयं द्वारा अथवा रजिस्टर डाक के माध्यम से प्रस्तुत करेंए अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। अंतिम तिथि पश्चात किसी भी माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सावित्री बाई फुले कन्या विद्यालय में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। सावित्री बाई फुले शा.कन्या उ.मा.विद्यालय में चल रहे 29 वे ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बहादरपुर ए इंदौर एजलगाँव ए नागपुर एमुंबई एवं आकोला से आये अपने रिश्तेदारो के यहा आये खिलाडी भी खेल प्रशिक्षण शिविर में बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे है स उक्त जानकारी देते हुए खेलकूद विकास समिति के अनिल बाविसकर एवं सुरेन्द्र मोदी ने बताया की समिति द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग एशिक्षा विभाग एवं सावित्री बाई फुले शाण्कन्या उ.मा. विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बुरहानपुर

शहर के अतिरिक्त अन्य शहरों के खिलाडी भी प्रतिदिन प्रात: 6 बजे उपस्थित होकर इस शिविर का लाभ ले रहे है।

शिविर प्रात: 6 बजे योग से आरम्भ होता है जिसमे योगा प्रशिक्षक नयन झरने द्वारा खिलाडियों को ताड़ासन,भुजंगासन,तितली आसन एसुखासन,अनुलोम,विलोम,भ्रामरी एवं प्राणायाम कराया जाता है स 30 मिनिट योगा करने के पश्च्यात खिलाडी सम्बंधित खेल में प्रशिक्षण लेते है। प्रशिक्षक नयन झरने ने बताया की प्रारम्भ में योग करने से खिलाडीयो का शरीर फुर्तीला रहता है मन शांत एवं तरोताज हो जाता है। जिससे उन्हें कोई भी खेल सिखने में परेशानी नही आती है एउन्होंने खिलाडियों से इस शिविर के समाप्त होने के बाद भी प्रतिदिन 30 मिनिट योग करने हेतु कहा कि प्रतिदिन वह योग से होने वाले लाभ से खिलाडीयो को अवगत कराती है एवं योग का महत्व बताती है।

शिविर के पुरस्कार वितरण समारोह पर इस शिविर में सेवा दे रहे सभी प्रशिक्षको को स्वण् ताराबाई सोहनलाल मोदी की स्मृति में उनके पुत्र प्रमोद मोदी द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

स्वामीनारायण मंदिर में लक्ष्मीनारायण देव का 1600 मंत्रों से दुग्धाभिषेक

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। बुरहानपुर के प्राचीन स्वामीनारायण मंदिर में पुरुषोत्तम मास के दौरान भगवान लक्ष्मीनारायण देव का दिव्य अभिषेक किया जा रहा है। लगभग 195 वर्ष पुराने इस विश्व विख्यात मंदिर में यह अनुष्ठान 30 दिनों तक प्रतिदिन सुबह आयोजित होता है। यह परंपरा वर्ष 1882 से निरंतर जारी है। स्वामीनारायण संप्रदाय में इसे अद्वितीय माना जाता है।

स्वामीनारायण भगवान की जय के जयघोष:- अभिषेक में भगवान को सैकड़ों लीटर दूधए दहीए केसरए पंचामृतए पुष्प रस और पवित्र नदियों के जल से स्नान कराया जाता है। इसमें शुद्ध घी, शक्कर और पंचमिष्ठान का भी उपयोग होता है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहते हैं और मंदिर परिसर श्स्वामीनारायण भगवान की जयश् के जयघोषों से गूंज उठता है। यह मंदिर उन विशेष स्वामीनारायण मंदिरों में से एक हैए जहां स्वयं भगवान स्वामीनारायण ने प्रसादी स्वरूप मूर्तियां प्रदान की थीं। वर्ष 1882 मेंए बुरहानपुर के हरिभक्त वडतालए गुजरात में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल हुए थे। वहां भगवान स्वामीनारायण ने उन्हें नारायण भगवान की दिव्य मूर्ति भेंट की थी और बुरहानपुर को

सुख.समृद्धि तथा भक्ति से परिपूर्ण रहने का आशीर्वाद दिया था। इसी घटना के बाद से पुरुषोत्तम मास के दौरान 30 दिनों तक भगवान के दुग्धाभिषेक की यह परंपरा बुरहानपुर में शुरू हुईए जो आज भी जारी है।

1600 वैदिक मंत्रों के मंत्रोच्चार:- यह अभिषेक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 1600 मंत्रों द्वारा संपन्न होता है। सुबह 5 बजे से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो जाती हैं। अभिषेक के दौरान बहने वाली दूध की धारा को भक्त तीर्थ के रूप में ग्रहण करते हैं और इसे अन्य श्रद्धालुओं में भी वितरित किया जाता है। मंदिर का स्वर्णमंडित सिंहासन, प्राचीन वाद्ययंत्रों की मधुर धुन और आरती की दिव्यता भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती है। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर मंदिर में कथा और सत्संग का भी आयोजन किया जा रहा है। व्यासपीठ से शास्त्री चिंतनप्रियदासजी महाराज श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण करा रहे हैं।

उदासीन आश्रम में पुरूषोतम मास में कथा का शुभारम्भ

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। उदासीन आश्रम बुरहानपुर में पुरूषोतम मास अधिक मास के उपलक्ष में भगवान पुरुषोत्तम की कथा एवं हरिकीर्तन का शुभारंभ पुज्य महंत स्वामी पुष्करानंद, स्वामी निरंजन मुनि जी ने किया। व्यास पीठ कथा वाचक वक्ता अमरकंटक से पधारे श्री 108स्वामी योगेश्वरानंद जी महराज ने पुरूषोतम मास उपलक्ष्य में भगवान पुरुषोत्तम की कथा का महत्व बताया अधिक मास में दान करना, भगवान का भजन करने से पुण्य मिलता पुरुषोत्तम मास अधिक मास में दानपुण्य, जप,तप का महीना होता है इस अवसर पर भैरव मंदिर प्रमुख आदरणीय स्वामी आत्मचैतन्य ब्रह्मचारी स्वामी मोहनदास जी एवं पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित थीं। कथा दिनांक 17/5/26 से 16/5/26 तक प्रतिदिन समय सुबह 07 से 08 बजे तक सभी धर्म प्रेमियों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या मे सहपरिवार पधारकर कथा का लाभ लेवे। उपरोक्त जानकारी महंत स्वामी निरंजन मुनि जी निहालवाड़ी,महंत स्वामी पुष्करानंद जी महराज उदासीन आश्रम बुरहानपुर द्वारा दी गई।

एक नजर ▶ सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का समापन पूर्णा आहुति के साथ .....

सनातन का युगों -युगों तक यथावत रखने के लिए एकजुटता जरूरी : परम पूज्य गोपालकृष्ण महाराज

नवभारत न्यूज,
बुरहानपुर। श्री गणेश स्कुल प्रागंण में सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का समापन अंतिम दिवस पुर्ण आहुती के साथ किया गया। इस आयोजन में भारी संख्या में शहर ही नही ग्रामीण क्षेत्र से भी धर्मपरायण श्रद्वालु कथा श्रवण करने पहुच रहे है। सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह अंतर्गत मालवा माटी के विख्यात कथा वाचक प्रवक्ता परम पूज्य गोपालकृष्ण महाराज उज्जैन ने भागवत कथा के अंतिम दिवस बताया कि श्रीमद्भागवत पुराण के दसवें स्कंध में स्यमंतक मणि से जुड़ी कथा आती है, जिसमें श्रीकृष्ण पर मणि चोरी का झूठा आरोप लगा था। सच्चाई यह थी कि कान्हा ने कभी चोरी नहीं की थी,बल्कि उन्होंने अपने ऊपर लगे इस कलंक को मिटाकर सच दुनिया के सामने लाया था।

पूज्य गोपालकृष्ण महाराज ने बताया कि मणि चोरी के झूठे आरोप और सच्चाई की पूरी घटना इस प्रकार है। सत्राजित को मणि की प्राप्ति द्वारका के एक यदुवंशी सत्राजित ने सूर्यदेव की घोर तपस्या करके स्यमंतक मणि प्राप्त की थी। यह जादुई मणि प्रतिदिन आठ भार सोना देती थी और जिस राज्य में रहती थीए वहां अकाल या महामारी नहीं होती थी। श्रीकृष्ण ने सत्राजित से आग्रह किया था कि यह मणि राजा उग्रसेन को सौंप देनी चाहिए, लेकिन सत्राजित ने इंकार कर दिया।

प्रसेनजित की मृत्यु और आरोप:– कुछ समय बाद सत्राजित का भाई प्रसेनजित उस मणि को गले में पहनकर जंगल में शिकार खेलने गया। वहां एक शेर ने उसे मार दिया और मणि ले ली। बाद मेंए रीछराज जामवंत ने उस शेर को मारकर मणि ले ली और अपनी गुफा में चले गए, जहाँ उनके बच्चे उस मणि से खेलने लगे। जब सत्राजित को अपने भाई का शव नहीं मिला, तो उसने लोभ और अहंकार में आकर द्वारका में अफवाह फैला दी कि श्रीकृष्ण ने ही मेरे भाई को मारकर स्यमंतक मणि चुरा ली है।

श्रीकृष्ण द्वारा मणि की खोज और जामवंत से युद्ध:- पूज्य गोपालकृष्ण महाराज ने आगे विस्ता से कथा मे बताया कि इस झूठे कलंक को धोने के लिए, श्रीकृष्ण स्वयं उस मणि की खोज में जंगल गए। वे प्रसेनजित और उसके घोड़े के निशानों का पीछा करते हुए जामवंत की गुफा तक पहुँच गए। गुफा के अंदर श्रीकृष्ण ने जामवंत के बच्चों को उस मणि से खेलते देखा। जब श्रीकृष्ण ने मणि उठानी चाहीए तो जामवंत ;जो उन्हें सामान्य मनुष्य समझ रहे थे। से उनका भयानक युद्ध हुआ। यह युद्ध पूरे 28 दिनों तक चला। अंतत: थक जाने पर जामवंत को एहसास हुआ कि उनके सामने कोई और नहीं, बल्कि उनके प्रभु श्रीराम ;श्रीकृष्ण ही हैं। उन्होंने अपनी भूल स्वीकार की और भक्तिभाव से श्रीकृष्ण को मणि सौंप दी। साथ ही उन्होंने अपनी पुत्री जामवंती का विवाह भी श्रीकृष्ण से कर दिया।

कलंक का निवारण और विवाह:- श्रीकृष्ण द्वारका लौट आए और सत्राजित के सामने मणि उसे सौंप दी। सत्राजित को अपनी गलती और झूठे आरोप पर बहुत पछतावा हुआ। अपनी भूल सुधारने के लिएए उसने अपनी रूपवती पुत्री सत्यभामा का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया और मणि भी दहेज के रूप में उन्हें देने लगा। लेकिन श्रीकृष्ण ने मणि स्वीकार नहीं की और उसे वापस सत्राजित को ही सौंप दी।

परम पूज्य गोपालकृष्ण महाराज ने कथा दौरान उपस्थित मातृ शक्ति से आग्रह किया कि भागवत कथा के साथ समाज में व्याप्त आधुनिकता के नाम पर हमारे समाज में जो जहर फैलाया जा रहा है उसके प्रति सजग होना जरूरी है। आज समाज दिशा हीन हो रहा है आपने कथा में समाज को पुन: विकास के पथ पर अग्रसर होने हेतु प्रेरित किया। जिससे पारिवारिक ,सामाजिक व राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान प्राप्त हों सके। आपने कहा कि सनातन को हजारो हजारो साल तक अक्षुण बनाए रखने के लिए हमे एकजुटता समाज में लानी चाहिए। आपने कहा कि भारत को आजादी मात्र चरखे से नही बल्कि शहीद भगतसिह, राजगुरू,सुखदेव,रानी लक्ष्मीबाई जैसे अनंत यौद्धाओं के बलिदान से मिली है। इसे सहेजकर रखना चुन्नौत्तीभरा है इस और समाज को ध्यान देने की जरूरत है। जागृत समाज सबके लिए जरूरी है।

परम पूज्य गोपालकृष्ण महाराज एवं पं0 अर्पितजी जोशी उज्जैन द्वारा श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ पांन्डाल में हवन यज्ञ करवाकर पुर्ण आहुती मंत्रोच्चार के साथ कराई गयी। इस दौरान माता गायत्री, महामृत्युन्जय मंत्र सहित अन्य मंत्रो का मंत्रोच्चार किया गया। श्रीमद् भगवत कथा के मुख्य यजमान श्री धनराज पाटील द्वारा सपत्निक पुत्र सहित उनके द्वारा नियमीत पुजन किया जा रहा है। वही एकल यजमान के रूप में जगदिश वाढे, गोपाल मुजाल्दा, लक्ष्मण भल्लावी, शांताराम निम्भोरे एवं सुनिल लांडगे, दिलिप इंगले, देविदास विश्वकर्मा, नरेंद्र जाधव,प्रभाकर महाजन, प्रशांत पाटिल, संजय राउत, अमर पाटिल,अधिवक्ता घनश्याम शाह, राजेंद्र पाटिल सहित अन्य समिति पदाधिकारी द्वारा सपत्निक पुजन किया गया।

गुरुजी के साथ टीम में पधारे:-पं0 अर्पितजी जोशी उज्जैन श्रीमद भागवत कथा का मूल पाठ पढ़ रहे है। भजन गायक एवं वाध्य यंत्र.चालक बजाना अखिलेश पवार, राजेश परमार आक्टोपेड बजाना , पंकजजी.ढोलक , केमरा . हर्षजी वर्मा, सोनूजी एवं संहयोग बटुक पं. नैतिक जी प्रतिदिन अपना योगदान देकर कथा को सफल बनाने में पुर्ण सहयोग कर रहे है।

अंतिम दिवस स्वागत सत्कर :-सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह के समापन अवसर पर अधिव्क्तता राजीव भाई बन्नातवाला परिवार, प्रमुख यजमान धनराज पाटील परिवार, भागवत कथा समिति के अध्यक्ष जगदीश वाढ़े परिवार,समिति सचिव गोपाल जी मुजाल्दा परिवार ,मिडिया प्रभारी मुकेश गुलाबचंन्द पुर्वे द्वारा सपत्निक मालवा माटी के विख्यात कथा वाचक प्रवक्ता परम पूज्य गोपालकृष्ण महाराज उज्जैन का स्वागत ,शॉल ,श्रीफल एवं पुष्पहारो द्वारा किया गया। इस अवसर पर संजय शर्मा देवास ,पंडित मनोज कानूनगो ,सतीश गुजराती,कैलाश यावतकर, सतीश कुमार इंगले,संन्ध्या कदवाने, अंजली गढे, मुकेश चैहान, अजित परदेशी,योगेश सोनवने,मनोज कानूगो , शांताराम निम्भोरे, सुभाष जाधव, दिनकर जी, मनोज दत्त, सतीष विस्पुते, मुकेश सहगल, लक्षण म्हाले, उषा अवतारी, श्रीमती पल्लवी माधवपुरकर आदि का व्यवस्था में सराहनीय सहयोग रहा।